

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास,

देहरादून।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-03. देहरादून दिनांक 02 नवम्बर, 2010

विषय:-वित्तीय वर्ष 2010-11 में सैनिक कल्याण विभागन्तर्गत विभिन्न साज-सज्जा कार्य हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-4003/सै.क./सै.वि.गृ./देहरादून दिनांक 06 अक्टूबर, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण के 0301-सैनिक मुख्यालय के मानक मद 26-मशीनें और सज्जा/ उपकरण और संयंत्र में प्राविधानित रुपये 20.00 लाख की धनराशि में से अवशेष ₹ 16.11 लाख (₹ सोलह लाख ग्यारह हजार मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में सैनिक कल्याण विभागन्तर्गत विभिन्न साज-सज्जा कार्य हेतु निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय तथा सैनिक विश्राम गृह, देहरादून के साज-सज्जा हेतु मितव्ययिता को दृष्टिगत रखते हुये न्यूनतम आवश्यक सामग्री का क्रय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 में विहित प्रक्रिया/प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय यथाआवश्यकता नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। अनावश्यक/अनुपयोगी साज-सज्जा सामग्री का क्रय कदापि न किया जाय।
2. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या:-515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 में उल्लिखित समस्त शर्तों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व जिसमें उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेंट) नियमावली, 2008 वित्तीय हस्तपुस्तिका एवं बजट मैनुअल के प्राविधानुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाये।
4. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य मद में कदापि नहीं किया जायेगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है। अवशेष धनराशि राजकोष में जमा कर दी जायेगी।

5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृति नार्म है, स्वीकृति नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये। विभिन्न साज-सज्जा के कार्यों/मदों में मितव्ययिता रखते हुये अनावश्यक व्यय न किया जाये।
6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
7. आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि आंकलित/स्वीकृत की गई है, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाए। एक मद की धनराशि दूसरी मदों में कदापि व्यय न की जाए।
8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक के "अनुदान संख्या-15" के "आयोजनागत पक्ष" के लेखाशीर्षक "2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण, 60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम, 200-अन्य कार्यक्रम, 03-सैनिक कल्याण, 0301-सैनिक मुख्यालय के मानक मद 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण एवं संयंत्र के नामे डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-593(P)/XXVII-3/10, दिनांक 29 अक्टूबर, 2010 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ० रणबीर सिंह)

सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:-580 (1)/XVII-3/10-09(76)/08 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
8. परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र०रा०नि०लि०, देहरादून।
9. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 11. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(डॉ० रणबीर सिंह)

सचिव।